भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 2503

उत्तर देने की तारीख-04/08/2025

राष्ट्रीय शैक्षणिक निक्षेपागार (एनएडी)

†2503. डॉ. मल्लू रवि:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राष्ट्रीय शैक्षणिक निक्षेपागार पायलट की प्रगति का ब्यौरा क्या है;
(ख) उक्त् योजना के कार्यान्वयन में सरकार को कौन सी चुनौतियाँ आ रही हैं; और
(ग) क्या सरकार की इसके दायरे और स्वीकरण में वृद्धि करने की कोई योजना है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (ग) राष्ट्रीय शैक्षणिक निक्षेपागार (एनएडी) भारत सरकार की एक डिजिटल पहल है। इसका उद्देश्य प्रमाणपत्रों, डिप्लोमा, डिग्रियों और अंकतालिकाओं सहित शैक्षिक दस्तावेजों के लिए एक सुरक्षित डिजिटल संग्रह उपलब्ध कराना है। मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्था, बोर्ड, आकलन निकाय आदि एनएडी पोर्टल पर शैक्षिक दस्तावेज अपलोड करते हैं। एनएडी सभी हितधारकों के लिए डिजिटल शैक्षिक दस्तावेजों तक आसान अभिगम और पुनर्प्राप्ति की सुविधा प्रदान करता है, साथ ही उनकी प्रामाणिकता और कुशल तरीके से संरक्षण सुनिश्चित करता है।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन (डीआईसी), एनएडी पहल के कार्यान्वयन हेतु शिक्षा मंत्रालय का तकनीकी भागीदार है। एनएडी को अपनाने में गति लाने हेतु, शिक्षा मंत्रालय ने डीआईसी के सहयोग से व्यापक पहुँच के माध्यम से एनएडी को अपनाने को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं; जिनमें राष्ट्रव्यापी कार्यशालाएँ, नियमित प्रशिक्षण सत्र और शैक्षिक दस्तावेज़ अपलोड करने वाले संस्थाओं के लिए लक्षित जागरूकता अभियान शामिल हैं।
शिक्षा मंत्रालय ने डीआईसी के सहकार्यता से अकादमिक क्रेडिट बैंक(एबीसी) योजना भी शुरू की है, जो एनएडी के डिजिटल बुनियादी ढांचे पर आधारित है। एबीसी क्रेडिट पहचान, संचयन, अंतरण और निष्पादन को सुव्यवस्थित करता है। एबीसी योजना के तहत, शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र के हितधारकों के बीच सहज संपर्क और शिक्षार्थियों की जीवनभर की यात्रा को प्रभावी ढंग से मानचित्रित के लिए एक 12-अंकीय विशिष्ट पहचानकर्ता, स्वचालित स्थायी शैक्षणिक खाता रजिस्ट्री (एपीएएआर) आईडी बनाई गई है।

आज तक, एबीसी पोर्टल पर 2564 डिग्री/क्रेडिट प्रदान करने वाले संस्थाएं पंजीकृत हैं, उच्च शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में 5 करोड़ से ज़्यादा एपीएएआर आईडी बनाई जा चुकी हैं और एबीसी पोर्टल पर इन आईडी के साथ 4.62 करोड़ क्रेडिट रिकॉर्ड मानचित्रित किए गए हैं। एनएडी प्लेटफार्म पर अब तक 103 करोड़ से ज़्यादा डिजिटल शैक्षिक दस्तावेज़ अपलोड किए जा चुके हैं।

*****